भारत सरकार
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
उपभोक्ता मामले विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 820
जिसका उत्तर बुधवार, 04 फरवरी, 2026 को दिया जाएगा

खाद्य उत्पादों में एज़ोडिकार्बोनामाइड और ब्यूटिलेटेड हाइड्रॉक्सीएनिसोल पर प्रतिबंध

820. श्री ईश्वरस्वामी के.:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को उन वैश्विक वैज्ञानिक अध्ययनों की जानकारी है जो खाद्य योजकों एज़डिकार्बोनामाइड (एडीए), जिसका उपयोग आमतौर पर ब्रेड में आटे को ब्लीच करने और आटे को मजबूत करने वाले एजेंट के रूप में किया जाता है, और ब्यूटिलेटेड हाइड्रॉक्सीएनिसोल (बीएचए), जो बेकरी और पैकेट बंद खाद्य उत्पादों में उपयोग किया जाने वाला एक परिरक्षक है, को कैंसर, एलर्जी और श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण मानते हैं;

(ख) क्या कई देशों में एडीए पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है जबकि बीएचए वैश्विक स्तर पर सख्त विनियमन के अधीन है और यदि हां, तो देश में उक्त खाद्य योजकों को अनुमति देने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने विष विज्ञान संबंधी अद्यतन किए गए साक्ष्यों के मद्देनजर एडीए और बीएचए के लिए अनुमेय सीमाओं का हाल ही में कोई पुनर्मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ब्रेड में एडीए पर पूर्ण प्रतिबंध और बीएचए के सख्त विनियमन का प्रस्ताव है; और

(ङ) यदि हां, तो मानकों को संशोधित करने और देशभर के सभी खाद्य निर्माताओं और बेकरियों द्वारा सख्त प्रवर्तन और अनुपालन सुनिश्चित करने की समय-सीमा क्या होगी?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री
(श्री बी. एल. वर्मा)

(क): खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य उत्पाद मानक एवं खाद्य योजक) विनियम, 2011 के अनुसार, अज़ोडाइकार्बोनामाइड (एडीए) का उपयोग आटा और स्टार्च (आटा, मैदा एवं कॉर्न स्टार्च को छोड़कर) खाद्य श्रेणी में अनुमत है।
ब्यूटिलेटेड हाइड्रॉक्सी ऐनिसोल (बीएचए) का उपयोग बेकरी उत्पादों सहित कई खाद्य उत्पादों में करने की अनुमति है।

(ख) से (ङ): बीएचए का उपयोग कोडेक्स, ईयू तथा यूएस एवं यूएस-एफडीए के अनुसार अनुमत है, जबकि एडीए का उपयोग कोडेक्स ईयू के अनुसार अनुमत है।

खाद्य सुरक्षा मानक स्वतंत्र जोखिम मूल्यांकन निकायों, अर्थात् वैज्ञानिक पैनलों और वैज्ञानिक समिति द्वारा की गई वैज्ञानिक राय के आधार पर बनाए जाते हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय रूप से स्वीकार्य कोडेक्स मानकों के साथ सामंजस्यपूर्ण बनाया जाता है। इसके अलावा, उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाणों और मान्यता प्राप्त वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर इन मानकों की समय-समय पर समीक्षा भी की जाती है।

*****